भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
आर्थिक कार्य विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 233

(जिसका उत्तर मंगलवार, 5 दिसम्बर, 2023/ 14 अग्रहायण 1945 (शक) को दिया जाना है)

विदेशी कर्ज का देश की अर्थव्यस्था पर कुप्रभाव

233. **श्री राम नाथ ठाकुर:**

क्या **वित्त मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:
(क) विगत पांच वर्षों में देश के विदेशी ऋण में हुई वृद्धि का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है**;**
(ख) इस ऋण का देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव का ब्यौरा क्या है**;** और
(ग) ऐसे विदेशी ऋण की एवज में सरकार द्वारा वहन किए जा रहे ब्याज का ब्यौरा क्या है**?**

उत्तर

वित्त राज्य मंत्री (श्री पंकज चौधरी)

(क): विगत पांच वर्षों में भारत पर विदेशी ऋण की स्थिति तालिका 1 में प्रस्तुत की गई है।

तालिका 1: **भारत की विदेशी ऋण स्थिति**

वर्ष (मार्च के अंत तक)	**सकल विदेशी ऋण की स्थिति (बिलियन अमरीकी डॉलर)**	**पिछले वर्ष की तुलना में परिवर्तन बिलियन (अमरीकी डॉलर)**
2019	543.1	13.8
2020	558.3	15.2
2021	573.4	15.1
2022	619.0	45.6
2023	624.3	5.3
2023 (जून के अंत तक)	629.1	4.7*

** मार्च2023 के अंत में परिवर्तन*
आंकड़े एक दशमलव बिंदु तक पूर्णांकित
स्रोत: आरबीआई।

(ख): भारत ने चालू खाता घाटे को संधारणीय स्थायी सीमाओं के तहत रखने के व्यापक उद्देश्य के साथ अपने विदेशी ऋण का प्रबंधन विवेकपूर्ण ढ़ग से किया है। तदनुसार, भारत पर विदेशी ऋण वर्षों से संधारणीय रहा है। जीडीपी की तुलना में विदेशी ऋण का अनुपात जून, 2023 के अंत तक 18.6 प्रतिशत के निम्न स्तर पर है। इसके अतिरिक्त, विदेशी ऋण निवेश और उत्पादकता में वृद्धि से संबंद्ध है।

(ग): बकाया विदेशी ऋण को सरकारी और गैर-सरकारी विदेशी ऋण के रूप में वर्गीकृत किया गया है। सरकार पर विदेशी ऋण की स्थिति और इस ऋण पर कुल ब्याज नीचे तालिका 2 में प्रस्तुत किया गया है।

तालिका 2: भारत पर सकल सरकारी विदेशी ऋण और वार्षिक ब्याज

वर्ष (मार्च के अंत तक)	सरकारी विदेशी ऋण (अमरीकी बिलियन डॉलर)	वर्ष के दौरान सरकारी विदेशी ऋण पर कुल ब्याज (अमरीकी बिलियन डॉलर)
2019	103.8	1.2
2020	100.9	1.7
2021	111.6	3.4
2022	130.8	2.9
2023	133.3	2.3

स्रोत: वित्त मंत्रालय और आरबीआई।
आंकड़े एक दशमलव बिंदु तक *पूर्णांकित*

****